# Hanuman Aarti PDF lyrics

॥ श्री हनुमंत स्तुति ॥

मनोजवं मारुत तुल्यवेगं,
जितेन्द्रियं, बुद्धिमतां वरिष्ठम् ॥

वातात्मजं वानरयुथ मुख्यं,
श्रीरामदुतं शरणम प्रपद्धे ॥

॥ आरती ॥

आरती कीजै हनुमान लला की,
दुष्ट दलन रघुनाथ कला की॥

जाके बल से गिरवर काँपे,
रोग दोष जाके निकट न झाँके ॥

अंजनि पुत्र महा बलदाई,
संतन के प्रभु सदा सहाई ॥

आरती कीजै हनुमान लला की,
दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ॥

Hindisanatan.com lyrics

दे वीरा रघुनाथ पठाए,
लंका जारि सिया सुधि लाये ॥

लंका सो कोट समुद्र सी खाई,
जात पवनसुत बार न लाई ॥

आरती कीजै हनुमान लला की,
दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ॥

लंका जारि असुर संहारे,
सियाराम जी के काज सँवारे ॥

लक्ष्मण मुर्छित पड़े सकारे,
लाये संजिवन प्राण उबारे ॥

आरती कीजै हनुमान लला की,
दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ॥

पैठि पताल तोरि जमकारे,
अहिरावण की भुजा उखारे ॥

बाईं भुजा असुर दल मारे,
दाहिने भुजा संतजन तारे ॥

आरती कीजै हनुमान लला की,
दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ॥

सुर-नर-मुनि जन आरती उतरें,
जय जय जय हनुमान उचारें ॥

कंचन थार कपूर लौ छाई,
आरती करत अंजना माई ॥

आरती कीजै हनुमान लला की,
दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ॥

जो हनुमानजी की आरती गावे,
बसहिं बैकुंठ परम पद पावे ॥

लंक विध्वंस किये रघुराई,
तुलसीदास स्वामी कीर्ति गाई ॥

आरती कीजै हनुमान लला की,
दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ॥

https://hindisanatan.com/